राष्ट्र के ६८वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री ओ. पी. कोहली जी का गुजरात के
नागरिको के नाम संदेश

. . . . . .

राष्ट्र के ६८वें गणतंत्र दिवस पर गुजरात प्रदेश के मेरे प्यारे भाइयों एवं बहनों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। देश-विदेशों में स्थायी हमारे गुजराती परिवारों को भी मैं हृदयपूर्वक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूँ।

आज हमारा राष्ट्र एक के बाद एक विकास के नये पायदान पर आगे बढ रहा है। गतिशील विचारों के धनी हमारे माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदी जी के नेतृत्व में भारत ने विश्वभर में अपना अग्रिम स्थान ग्रहण किया है। देश आज विकास के पथ पर अग्रसर बना है, तब "डिजिटल इण्डिया", "स्कील इण्डिया", "स्टार्टअप इण्डिया", "ईज ऑफ डूइंग बिजनेस", "स्वच्छ भारत अभियान" जैसे कई महत्वाकांक्षी कार्यक्रमों का क्रियान्वयन बखूबी हो रहा है।

गणतंत्र दिवस अर्थात् जनता के हाथ में सत्ता। इस सीधी और सरल व्याख्या को चरितार्थ करना किसी भी शासन व्यवस्था के लिए आसान कार्य नहीं है। परंतु मुझे कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि अपना गुजरात राज्य एक ऐसा राज्य है जहां शासन की नींव में जनता के

विचार हैं, जनता की चिंता है,जनता का खयाल निहित है। इसलिए हर गुजरातवासी सच्चे मायने में 'गणतंत्र' का अहसास कर रहा है।

मात्र छह माह के अल्पकाल में ही माननीय मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी जी के नेतृत्व में गुजरात एक रोल मॉडल स्टेट के रूप में विकास के मार्ग पर और अधिक तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार 'कॉमनमेन' को केन्द्र में रखकर, उनके सुख-दु:ख की चिंता करते हुए संवेदनशील एवं पारदर्शी निर्णयों के साथ लगातार कार्यरत है। आम आदमी की सुख-सुविधा और मूलभूत आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयासरत है।

सर्वांगीण विकास को समर्पित गुजरात की लोकप्रिय सरकार ने ग्रामीणों, शहरी नागरिकों, किसानों, युवाओं, आदिवासियों, वंचितों, गरीबों महिलाओं सहित तमाम वर्गों और गुजरात के तमाम क्षेत्रों के विकास के लिए अनेक कदम उठाएं हैं। आज गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर मुझे कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि मेरी सरकार ने वादे नहीं बल्कि ठोस इरादों के साथ पारदर्शिता, निर्णायकता, संवेदनशीलता और गतिशीलता के साथ शासन का दायित्व निभाया है।

प्रो पीपल, प्रो एक्टिव गवर्नेंस द्वारा लोक कल्याण के लिए लोगों के आंगन में पहुंचकर लोगों की समस्याओं को तत्काल सुलझाने के संवेदनशील प्रयास

प्रशासन ने किए हैं। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के जन्म शताब्दी वर्ष को गुजरात में "गरीब कल्याण वर्ष" के रूप में मनाए जाने का फैसला किया है।

भारत के हृदयसम्राट प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदीजी के प्रेरणादायी मार्गदर्शन में मुख्यमंत्री श्री विजयभाई रूपाणी और उप मुख्यमंत्री श्री नितिनभाई पटेल के नेतृत्व में गुजरात लोगों के संग और लोक उमंग से विकास की नयी ऊंचाइयां छू रहा है। गुजरात सरकार ने जनाभिमुख परिश्रम यात्रा के दौरान जनहित के ढेरों निर्णय लिए हैं। ग्राम विकास हो, शहरी विकास हो, महिला सशक्तिकरण हो या युवा विकास हो, कृषि क्षेत्र हो या उद्योग क्षेत्र हो, सेवा क्षेत्र हो या वंचितों का विकास हो, या फिर वनबन्धुओं का विकास हो। गुजरात सरकार ने विकास के फल हर व्यक्ति तक पहुंचाने के लिए परिणामलक्षी कार्य किया है।

सरकार की योजनाओं का लाभ स्थानीय स्तर पर ग्रामीण लोगों तक पहुंचा है। उन्हें समस्याओं के निराकरण के लिए तहसील या जिला स्तर तक भी ना जाना पड़े, इस उद्देश्य के साथ मेरी संवेदनशील सरकार ने 'सेवा सेतु' कार्यक्रम का प्रभावी अमल करके दो लाख से ज्यादा व्यक्तिगत आवेदनों का स्थल पर ही निराकरण किया है। 'प्रगति सेतु' कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्टर की अध्यक्षता में 17 जितने विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने तहसील स्तर तक जाकर सामूहिक समस्याओं का स्थल पर

ही निराकरण किया है। इन दोनों कार्यक्रमों ने जनाभिमुख शासन की अनुभूति करवाई है। इतना ही नहीं, राज्य के 300 के करीब गांवों को आधुनिक सुविधाओं से सज्ज करके 'स्मार्ट विलेज' के तौर पर विकसित करने के कार्य का शुभारम्भ कर दिया है।

6000 जितने गांवों को हाईस्पीड डिजीटल कनेक्टिविटी से जोड़ने की शुरुआत कर दी है। साथ ही, तीन जिलों की 30 तहसीलों के 170 नगर और 3000 गांव खुले में शौचक्रिया से मुक्त बने हैं। गांवों-ग्रामीणों को गौरव हो, ऐसी यह उपलब्धि ही सच्चा गणतंत्र दिवस है। हाल ही में 10,279 ग्राम पंचायतों के चुनाव सम्पन्न हुए। इन गांवों के नवनिर्वाचित सरपंचों को गुजरात की विकासयात्रा में सहभागी बनने का मैं आह्वान करता हूं।

गुजरात के शहर और ज्यादा सुन्दर ज्यादा रमणीय ज्यादा आधुनिक ज्यादा सलामत और सुरक्षित बनें इस प्रकार मेरी सरकार ने सर्वांगीण आयोजन करके उस दिशा में ठोस आयोजन पूर्वक कार्य शुरु कर दिया है। 'स्वच्छता अभियान' में गुजरात देशभर में अव्वल है। गुजरात के राजकोट और सूरत शहर देश के सबसे स्वच्छ 10 शहरों में शामिल हो गए हैं। राज्य की राजधानी गांधीनगर समग्र देश का सर्वप्रथम स्मार्ट केपिटल सिटी बना है।

राज्य की तमाम महानगरपालिकाओं और नगरपालिकाओं के क्षेत्रों में ओवरहेड

बिजली वितरण लाइनों को अंडरग्राउंड केबल में रूपांतरित करने के काम को सैद्धांतिक मंजूरी दे दी गई है। अहमदाबाद, वडोदरा, जामनगर और राजकोट जैसे महानगरों में लोगों की सुविधाओं में बढ़ोतरी करने के लिए करोड़ों के खर्च से अनेक योजनाएं शुरु की गई हैं।

गुजरात के लिए सरदार सरोवर योजना जीवनरेखा के समान है। हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्रभाई मोदीजी के सघन प्रयासों और हमारी सरकार की प्रतिबद्धता से यह योजना तेजी से साकार होती हुई पूर्णता के कगार पर पहुंच गई है। इस योजना के मुख्य बांध के तमाम 30 दरवाजे लगाने का कार्य हो गया है। अब 3046 मिलियन एकड़ फुट अतिरिक्त जल का संग्रह हो सकेगा और समग्र गुजरात को सिंचाई का पानी और पेयजल उपलब्ध करवाया जा सकेगा।

बार बार पानी की कमी का सामना करने वाले सौराष्ट्र और कच्छ के इलाकों में सिंचाई और पेयजल पहुंचाने के लिए सरदार सरोवर नर्मदा योजना आधारित "सौनी योजना" सौराष्ट्र के किसानों की समृद्धि के द्वार खोलेगी। सिंचाई के लिए सिर्फ वर्षा पर आधारित रहने वाले इस क्षेत्र के किसान अब पूरा वर्ष खेती कर सकेंगे। सौराष्ट्र के छोटे-बड़े 115 जितने डेम-जलाशयों में नर्मदा का जल भरने से इस क्षेत्र की बरसों पुरानी समस्याओं का निराकरण हुआ है।

वनबन्धु एवं आदिजाति क्षेत्रों के सर्वग्राही और आधुनिक विकास के लिए

सरकार प्रतिबद्ध है। वनवासी क्षेत्रों के खेत और घरों तक सिंचाई और पेयजल उपलब्ध करवाने के लिए 4800 करोड़ की योजना का माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के जन्मदिवस पर शुभारम्भ करवाकर वनबन्धुओं को बड़ी भेंट दी गई है।

गुजरात के प्रत्येक नागरिक को सस्ती सरल और प्रभावी स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाने के लिए सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। स्वस्थ तन में ही स्वस्थ मन बसता है जो आंतरिक विकास से लेकर बाह्य विकास के लिए अनिवार्य है। तमाम गुजरातियों को स्वास्थ्य सेवाएं स्थानीय स्तर पर उपलब्ध करवाने के लिए मेरी सरकार ने आशीर्वादरूप निर्णय लिए हैं। गरीबों को 1000 जितनी जेनेरिक दवाइयां 40 से 80 प्रतिशत कम कीमत पर 24 घंटे उपलब्ध करवाई जा सकें इसके लिए मेरी सरकार समग्र राज्य में 500 से 600 जितने पंडित दीनदयाल मेडीकल स्टोर शुरु करवा रही है। बी. पी. और डायबिटीज के गरीब रोगियों को आजीवन नि:शुल्क दवाइयां उपलब्ध करवाई जा रही हैं। करीब 11 लाख जितनी गरीब गर्भवती माताओं को चिरंजीवी योजना के तहत संस्थागत प्रसूति की सेवाएं उपलब्ध करवाई गई हैं।

इतना ही नहीं राज्य के दुर्गम क्षेत्रों तक अत्यंत आधुनिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध करवाई जा सकें और आर्थिक पिछड़े तथा आदिजाति क्षेत्रों में मेडीकल कॉलेजों, सुपर स्पेशियालिटी हॉस्पिटलों और डायग्नोस्टिक सेवाएं उपलब्ध हो

सके इसलिए राज्य सरकार ने नयी स्वास्थ्य नीति 2016 लागू की है। इस नीति के अंतर्गत जिला स्तर पर सरकारी अस्पतालों में नयी स्वनिर्भर मेडीकल कॉलेज शुरु करने में राज्य सरकार प्रोत्साहन देगी। ग्रामीण और दुर्गम क्षेत्रों में सुपर स्पेशियालिटी अस्पताल की स्थापना के लिए भी राज्य सरकार सहायता प्रदान करेगी।

महानगरपालिका क्षेत्रों के सिवाय राज्य में कहीं भी डायग्नोस्टिक सेंटर शुरु करने के लिए राज्य सरकार स्वास्थ्य साधनों की खरीदी में सहायता प्रदान करेगी। साढ़े छह करोड़ गुजरातियों के निरामय-तन्दुरस्त जीवन के लिए कृतसंकल्प मेरी सरकार ने "मुख्यमंत्री अमृतम योजना", "मा योजना", "मा वात्सल्य योजना","मुख्यमंत्री निदान" जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं के साथ ऑर्गन ट्रांसप्लांट यूनिवर्सिटी, इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ और 108 ऐम्बुलेंस सेवा के सुदृढ़ नेटवर्क द्वारा आशीर्वाद स्वरूप कार्य किया है।

दरीद्रनारायण के पेट की भूख की चिंता करना भी राष्ट्रवाद और राष्ट्रप्रेम ही है। उनके स्वास्थ्य और चिकित्सा सेवाओं की चिंता करना ही उत्तम प्रकार की देश सेवा है।

मुझे यह कहते हुए प्रसन्नता हो रही है कि गुजरात में तमाम जिला तहसील और ग्रामीण स्तर की प्रत्येक प्राथमिक-माध्यमिक शाला और आंगनबाडी के कुल 4 लाख जितने बालकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए राज्य सरकार प्रति वर्ष

लगातार 60 दिनों तक "शाला स्वास्थ्य जांच कार्यक्रम" आयोजित करती है। इतना ही नहीं, निदान-सलाह और उपचार के साथ ही आवश्यकता पड़ने पर ऑपरेशन भी नि:शुल्क किया जाता है।

देश का भविष्य नन्हें बालकों के स्वास्थ्य पर निर्भर है। ऐसे में बालकों के स्वास्थ्य की चिंता करना हमारा संवैधानिक कर्तव्य और पवित्र जिम्मेदारी है। कुपोषण सार्वजनिक स्वास्थ्य की बड़ी समस्या है। राज्य सरकार ने 'कुपोषणमुक्त गुजरात' महाअभियान शुरु किया है।

इस योजना के अंतर्गत कुपोषित बालकों को खोजकर उन्हें बाल संजीवनी केन्द्रों और बाल सेवा केन्द्रों में भर्ती करवाकर कुपोषणमुक्त महाअभियान को आगे बढाया जा रहा है। मुझे आशा है कि हम सभी साथ मिलकर आनेवाले दिनों में गुजरात को स्वास्थ्य क्षेत्र में भी सबसे ज्यादा स्वस्थ और निरामय राज्य बना सकेंगे।

हमारा गुजरात पूज्य महात्मा गांधीजी के आदर्शों को चरितार्थ करनेवाला राज्य है। गुजरात के स्थापनाकाल से ही राज्य में शराबबन्दी लागू है। शराब के दुष्प्रभाव से समाज का आर्थिक, सामाजिक और नैतिक पतन होता है। गुजरात एक आदर्श और अनुकरणीय राज्य बनने जा रहा है। ऐसे में शराब के दुष्प्रभाव और बुराइयों को खत्म करने के लिए मेरी सरकार ने गुजरात नशाबन्दी एक्ट की धाराओं को और ज्यादा प्रभावी और मजबूत बनाकर गुजरात का गौरव बढ़ाया है।

राष्ट्र, राज्य या समाज की प्रगति स्थिरता और विकास का मुख्य आधार व्यक्ति की मेहनत बुद्धि और निष्ठा तथा प्रामाणिकता है। राष्ट्र राज्य और समाज को कलंकित कर विकास और सुख-सुविधाओं में अवरोध पैदा करनेवाला सबसे बड़ा कोई कारण है तो वह भ्रष्टाचार है। समाज से भ्रष्ट वृत्तियों को खत्म करना और प्रशासन में प्रामाणिकता को प्रोत्साहन देना ही आदर्श सरकार की प्रतिबद्धता है।

हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश में पुन: प्रामाणिकता का युग शुरु करने की प्रतिबद्धता के साथ विमुद्रीकरण का जो कदम उठाया है, उसे समग्र समाज ने उत्साह से स्वीकार किया और स्वागत किया है। गुजरातवासियों ने कैशलेस इकॉनोमी और डिजीटल बैंकिंग सिस्टम को सहर्ष स्वीकार करके प्रामाणिक समाज की प्रतिबद्धता व्यक्त की है। इस समग्र प्रयास का मैं स्वागत करता हूं और सभी नागरिकों को शुभकामनाएं देता हूं।

कृषि हमारे देश की अर्थव्यवस्था की जीवनरेखा है। राज्य सरकार ने किसानों और पशुपालकों का विशेष खयाल रखा है। प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना का लाभ अधिकतम किसानों तक पहुंचे इसके लिए 5 प्रतिशत प्रीमियम के साथ ही राज्य सरकार द्वारा अतिरिक्त 3 प्रतिशत प्रीमियम सहायता प्रदान की जा रही है। राज्य सरकार ने आठ एकड़ से ज्यादा जमीनधारक किसानों को अतिरिक्त कृषि बिजली कनेक्शन प्रदान करने का निर्णय करके

किसानों की वर्षों पुरानी मांग को पूरा किया है।

गुजरात के किसान विश्व बाजार के साथ जुड़ें और अपने खेत उत्पादन का विशाल मार्केट पा सके, इसके लिए राज्य की 40 खेतीबाड़ी उत्पन्न बाजार समितियों को ई-नेशनल एग्रीकल्चर मार्केट के साथ जोड़ा गया है। परम्परागत खेती के बदले राज्य के किसान वैज्ञानिक प्रणाली और आधुनिकतम पद्धति से खेती कर सकें और उसकी तालीम प्राप्त कर सकें इसके लिए, फार्म मशीनरी ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूशन के निर्माण के लिए 32 एकड़ जमीन आवंटित करने का कार्य शुरु किया गया है। कम वर्षा के समयकाल में हमारी सरकार ने महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए सौराष्ट्र और मध्य गुजरात में तैयार फसल को बचाने के लिए 10 घंटे बिजली उपलब्ध करवाने का किसानलक्ष्यी अभिगम अपनाया है।

भाइयों और बहनों,

गुजरात उद्योगों और औद्योगिक पूंजी निवेश के लिए भी बेस्ट चॉइस है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट की श्रृंखला से यह साबित हुआ है। कौशल्यवान युवाधन, श्रेष्ठ ढांचागत सुविधाएं, प्रो-एक्टिव गवर्नेंस, श्रेष्ठ पॉलिसी और उद्योगों के अनुरूप शांति-सलामती से गुजरात ने समग्र विश्व में अनोखा आकर्षण खड़ा किया है। वाईब्रेंट गुजरात-2017 में 12 जितने देशों की भागीदारी, विभिन्न क्षेत्रों के नोबेल पुरस्कार विजेताओं और देश-विदेश के 110 से ज्यादा विद्वानों और महानुभावों

की उपस्थिति में कौशल्य और ज्ञान के विनियोग से गुजरात ज्यादा समृद्ध हुआ है। वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट में अब तक सब से अधिक कुल abab25578 समझौता करार हुए हैं, जो यह साबित करता है कि गुजरात और भारत निवेश की दृष्टि से बेस्ट डेस्टीनेशन हैं।

इस समिट में छोटे और मध्यम उद्योगों में 18533 एमओयु हुए हैं और बड़े उद्योगों में 5938 एमओयु हुए हैं। जबकि स्टेट्रेजिकल पार्टनर के तौर पर गुजरात के साथ 1107 एमओयु हुए हैं। यह एमओयु गुजरात और देश को विकास की नयी दिशा की ओर ले जाएंगे। ऐसे निवेशों से गुजरात और भारत विश्व के समक्ष एक समर्थ डेस्टीनेशन के रूप में उभरेंगे। इस समिट में 100 से ज्यादा देशों के 33 हजार से ज्यादा प्रतिनिधि सीधे सहभागी बने। समिट के अंतर्गत 41 सेमीनार आयोजित हुए।

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदीजी के नेतृत्व में जीएसटी और ऊर्जा जैसे अनेक क्षेत्रों में नये सुधार आए हैं। भारत में व्यापारिक वातावरण और सुधरा है। प्रधानमंत्री के "मेक इन इंडिया" संकल्प के साथ गुजरात अब "मेक इन इंडिया" पर फोकस कर रहा है। "डिजीटल इंडिया" और "स्टार्ट-अप इंडिया" विजन के साथ राज्य सरकार ने सहयोग प्रदान करने के साथ ही सहायता प्रदान करने का अभिगम अपनाया है। बायोटेक्नोलॉजी पॉलिसी, कृषि व्यापार पॉलिसी, कुटीर उद्योग पॉलिसी और एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी ने गुजरात

के औद्योगिक विकास को नया बल और नयी दिशा प्रदान की है।

गुजरात ने "पॉलिसी ड्रिवन स्टेट" के तौर पर अपनी पहचान को और ज्यादा मजबूत कर देश-विदेश में विशिष्ट स्थान प्राप्त किया है। इतना ही नहीं, एयरोस्पेस एंड डिफेंस पॉलिसी द्वारा भारतीय सेना की तीनों इकाइयों के लिए आवश्यक हथियार गुजरात में उत्पादन करने के लिए नया मार्ग स्थापित किया है। इसके आगे बढ़ने पर औद्योगिक विकास का राजमार्ग तो बनेगा, साथ ही देश की सेवा में प्रवृत्त होने का गौरव भी गुजरात को मिलेगा।

युवाओं को रोजगार मिल सके इसके लिए राज्य सरकार लगातार प्रयासरत है। राज्य के प्रशासन में उत्साह और जोश भरने के लिए वर्ष 2016-17 के दौरान करीब 67,000 सरकारी पदों पर भर्ती करने का आयोजन भी किया गया है।

भाइयों और बहनों,

प्रत्येक गुजरातवासी के सर्वांगीण विकास के लिए काफी कार्य हुए हैं और हो रहे हैं। कई फैसले हुए हैं और हो रहे हैं। गुजरात को आर्थिक, सामाजिक और नैतिक रूप से और ज्यादा समृद्ध बनाने के लिए निष्ठापूर्वक प्रयत्न हो रहे हैं। इस सेवायज्ञ में तमाम नागरिकों की सहभागिता और उत्साहपूर्ण योगदान की आवश्यकता है। सबके साथ,सहयोग और स्नेह पुंज से गुजरात और ज्यादा दैदिप्यमान बनेगा।

आइये! हम सब गुजरात की विकासयात्रा को आगे बढाने के लिए पूर्ण

निष्ठा और समर्पणभाव से प्रतिबद्ध बनें...जनता को सच्ची सत्ता की प्रतीति करवाएं और लोकशासन व्यवस्था को और सुदृढ़ बनाएं।

मैं पुन: सभी प्रदेशवासियों को गणतंत्र दिवस की बहुत-बहुत बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं।

जय हिन्द

जय जय गरवी गुजरात